प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

'जहां जागरूकता है वहां धर्म का निवास होता है'

– आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 21 जून, 2010

दुनिया में सोए हुए भी मानव मिलते हैं, जागते हुए भी मिलते हैं। पूर्ण अप्रम मनुष्य भी मिलते हैं। पूर्ण जागरूक कम मिलते हैं, धम्मपद में कहा गया है कि जो व्यक्ति प्रमादी होता है उनके बीच अप्रमत रहने का अभ्यास करना चाहिए। दूसरी बात जो लोग सोए हुए हैं प्रज्ञा से जागृत रहने का अभ्यास करना चाहिए, जैन वांग्मय का महत्वपूर्ण आयारो के तीसरे अध्याय में कहा गया है जो अज्ञानी रहते हैं वे सुप्त रहते हैं, जो ज्ञानी होते हैं वे हमेशा जागते रहते हैं। जागरूक व्यक्ति के बुद्धि का विकास भी अच्छा होता है।

उक्त विचार आचार्य महाश्रमण स्थानीय चौरड़िया प्रशाल में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने आगे कहा कि जो व्यक्ति अनेक लोग सोये हुए हैं उनमें एक जागरूक होता है तो अनेकों का भला कर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह राजा नहीं है जो प्रजा की सेवा नहीं करता और राजा के लिए जागरूक रहना आवश्यक होता है, जागरूक राजा ही देश में अच्छा विकास कर सकता है। जो सोया हुआ होता है वह नुकशान को प्राप्त कर सकता है, जहां विवेक, जागरूकता होती वहां धर्म का निवास होता है।

इस अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ (एफसीए) भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुनि दिनेश कुमार ने किया।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)